Lakshya IAS
academy

16
Aug 2026

DAILY CURRENT AFFAIRS

Mr. R.P. Singh Sir
(MD)

लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ
Lakshya IAS Academy
8182093320

1. जल जीवन मिशन ने सात वर्षों के बाद ग्रामीण नल के जल के दायरे में बड़े विस्तार का रिकॉर्ड दर्ज किया

- जल जीवन मिशन ने भारत भर में सक्रिय कार्यान्वयन के सात वर्ष पूरे करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पहली बार अगस्त 2019 में शुरू की गई इस प्रमुख योजना को प्रत्येक ग्रामीण घर में व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था। इस अवधि के दौरान, इस कार्यक्रम ने राष्ट्रीय स्तर पर कवरेज में व्यापक विस्तार किया है, जिससे पहले नल के जल से वंचित रहे करोड़ों ग्रामीण परिवारों को जोड़कर जीवन स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य में बदलाव आया है। जैसे ही यह मिशन अपने विस्तारित अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, इसका ध्यान दीर्घकालिक जल गुणवत्ता निगरानी, डिजिटल बुनियादी ढांचा निगरानी और देश भर के सभी ग्रामीण समुदायों के लिए टिकाऊ सेवा वितरण की ओर केंद्रित हो रहा है।

मुख्य बिंदु:

- घरेलू पहुंच में पर्याप्त वृद्धि: ग्रामीण नल के जल का दायरा अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ परिवारों से महत्वपूर्ण रूप से बढ़कर लगभग 16 करोड़ परिवारों तक पहुँच गया है।
- उच्च कार्यात्मक जल कनेक्टिविटी दर: तीसरे पक्ष के कार्यात्मक मूल्यांकन से पता चला है कि देश भर में कुल ग्रामीण परिवारों में से 81 प्रतिशत से अधिक वर्तमान में सुरक्षित पाइप से पानी प्राप्त कर रहे हैं।

1. Jal Jeevan Mission Records Major Expansion in Rural Tap Water Coverage After Seven Years

- The Jal Jeevan Mission has reached a major milestone, completing seven years of active implementation across India. First launched in August 2019, the flagship scheme was designed to deliver safe and adequate drinking water through individual household tap connections to every rural home. Over this period, the program has driven a massive expansion in national coverage, transforming living standards and public health by connecting tens of millions of previously unserved rural households. As the mission transitions into its expanded next phase, the focus shifts toward long-term water quality surveillance, digital infrastructure monitoring, and sustainable service delivery for all rural communities nationwide.

Key Points:

- Substantial increase in household access: Rural tap water coverage expanded significantly from three point two three crore households in August 2019 to nearly sixteen crore households.
- High functional water connectivity rate: Third party functionality assessment revealed that over 81 percent of total rural households across the country currently receive safe piped water.

- विस्तारित समयसीमा और बढ़ा हुआ व्ययः मिशन के दूसरे चरण को दीर्घकालिक स्थिरता के लिए बढ़े हुए वित्तीय व्यय के साथ दिसंबर 2028 तक कार्यान्वित करने की मंजूरी दी गई है।

2. रेल मंत्री ने आनंद विहार और उधना रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा परिसरों की समीक्षा की

अगस्त 2026 में, केंद्रीय रेल मंत्री ने आनंद विहार टर्मिनल और उधना रेलवे स्टेशन पर 'यात्री सुविधा केंद्र' के रूप में जाने जाने वाले उन्नत यात्री परिसरों की प्रगति की समीक्षा की। भारी यात्री यातायात को व्यवस्थित करने और आगामी त्योहारों की भीड़ को सुरक्षित रूप से प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन की गई, इन विशेष सुविधाओं का उद्देश्य मुख्य प्लेटफार्मों और प्रतीक्षा क्षेत्रों में भीड़ को काफी हद तक कम करना है। यह नया बुनियादी ढांचा ढके हुए प्रतीक्षा क्षेत्र, समर्पित टिकट काउंटर, पीने के पानी की सुविधाएं, बेहतर सुरक्षा और स्पष्ट डिजिटल सूचना डिस्प्ले प्रदान करता है। पूर्ण रूप से चालू होने पर, केवल उधना सुविधा ही एक साथ 15000 यात्रियों को समायोजित कर सकती है, जिससे यात्रा के व्यस्त मौसमों के दौरान प्रतीक्षा क्षेत्रों और ट्रेन प्लेटफार्मों के बीच सहज कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

मुख्य बिंदुः

- परियोजना प्रगति की व्यापक समीक्षाः रेल मंत्री ने स्थल संबंधी समस्याओं को सुलझाने और चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए आनंद विहार और उधना स्टेशनों पर यात्री परिसरों की समीक्षा की।
- आगामी त्योहारों के दौरान भीड़ प्रबंधनः विशेष सुविधाओं का उद्देश्य त्योहारों के व्यस्त यात्रा मौसम के दौरान प्लेटफार्मों, आवाजाही क्षेत्रों और स्टेशन प्रवेश द्वारों पर भीड़भाड़ को कम करना है।
- प्रतीक्षारत यात्रियों के लिए उन्नत सुविधाएंः समर्पित स्थानों में ढके हुए प्रतीक्षा क्षेत्र, टिकट काउंटर, स्वच्छ शौचालय, पीने का पानी, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली और सुरक्षा निगरानी कैमरे शामिल होंगे।

- Extended timeline and increased outlay: The mission phase two has been approved to extend implementation until December 2028 with an enhanced financial outlay for long-term sustainability.

2. Railway Minister Reviews Passenger Holding Facilities at Anand Vihar and Udhna Railway Stations

In August 2026, the Union Minister for Railways reviewed the progress of upgraded passenger holding areas, known as Yatri Suvidha Kendras, at Anand Vihar Terminal and Udhna Railway Station. Designed to streamline heavy passenger traffic and manage upcoming festival rushes safely, these specialized facilities aim to significantly decongest main platforms and waiting areas. The new infrastructure offers covered waiting zones, dedicated ticket counters, drinking water facilities, enhanced security, and clear digital information displays. Once fully operational, the Udhna facility alone will accommodate up to fifteen thousand passengers simultaneously, ensuring smoother connectivity between waiting zones and train platforms during peak travel seasons.

Key Points:

- Comprehensive review of project progress: The railway minister reviewed passenger holding areas at Anand Vihar and Udhna stations to resolve site issues and accelerate ongoing construction work.
- Crowd management during upcoming festivals: The special holding facilities aim to reduce overcrowding on platforms, circulation zones, and station entry gates during peak festival travel seasons.
- Enhanced amenities for waiting passengers: The dedicated spaces will feature covered waiting zones, ticketing counters, clean restrooms, drinking water, public announcement systems, and security surveillance cameras.

3. भारतीय नौसेना का पोत सुदर्शिनी लोकायन 2026 तैनाती के दौरान पुर्तगाल पहुंचा

भारतीय नौसेना के प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन का एक नौकायन प्रशिक्षण पोत, भारतीय नौसेना पोत (INS) सुदर्शिनी, लोकायन 2026 के तहत अपनी जारी अंतर्राष्ट्रीय तैनाती के हिस्से के रूप में पुर्तगाल में गोदी (डॉक) पर लग गया है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित तीन मस्तूलों वाला यह बारूक (पोत), अधिकारी कैडेटों को मौलिक नाविक विद्या, खगोलीय-नेविगेशन और पारंपरिक पाल-संचालन कौशल में प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई एक बहु-राष्ट्रीय समुद्री यात्रा कर रहा है। अपने प्राथमिक प्रशिक्षण मिशन से परे, यह तैनाती समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने, राजनयिक संबंधों को बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय जलमार्गों तथा प्रमुख वैश्विक बंदरगाहों के माध्यम से अपने मार्ग में पड़ने वाले मित्र विदेशी राष्ट्रों के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक ध्वज-प्रदर्शन पहल के रूप में कार्य करती है।

मुख्य बिंदु:

- सफल ट्रांसअटलांटिक यात्रा पूरी: नौसेना के नौकायन प्रशिक्षण पोत ने बोस्टन से 19 दिनों की अटलांटिक पार यात्रा पूरी की और पुर्तगाली अज़ोरेस के पोंटा डेलगाडा पहुंचे।
- अधिकारियों के लिए व्यापक समुद्री प्रशिक्षण: 200 से अधिक नौसेना और तटरक्षक प्रशिक्षक समुद्री नेविगेशन और पारंपरिक नाविक विद्या में महारत हासिल करने के लिए 10 महीने के इस अभियान में भाग ले रहे हैं।
- रणनीतिक राजनयिक और परिचालन जुड़ाव: यह तैनाती 13 विदेशी देशों में पेशेवर बातचीत, परिचालन पुनर्भरण और व्यापक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री साझेदारी को मजबूत करती है।

3. Indian Naval Ship Sudarshini Reaches Portugal During LOKAYAN 2026 Deployment

Indian Naval Ship Sudarshini, a sail training vessel of the First Training Squadron of the Indian Navy, has docked in Portugal as part of its ongoing international deployment under LOKAYAN 2026. The three-masted barque, built indigenously by Goa Shipyard Limited, is undertaking a multi-nation oceanic voyage designed to train officer cadets in fundamental seamanship, astro-navigation, and traditional sail-handling skills. Beyond its primary training mission, the deployment serves as a flag-showing initiative aimed at fostering maritime cooperation, enhancing diplomatic bridges, and strengthening cultural ties with friendly foreign nations along its route across international waters and key global ports.

Key Points:

- Successful transatlantic voyage completion: The naval sail training vessel completed a nineteen day Atlantic crossing from Boston and arrived at Ponta Delgada in the Portuguese Azores.
- Comprehensive maritime training for officers: Over two hundred naval and coast guard trainees are participating in the ten month expedition to master ocean navigation and traditional seamanship.
- Strategic diplomatic and operational engagement: The deployment strengthens international maritime partnerships through professional interactions, operational replenishment, and extensive cultural exchange programs across thirteen foreign countries.

4. राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय सेना की टीम ने आठ स्वर्ण सहित 16 पदक हासिल किए

- ग्लास्गो में आयोजित 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय सेना के दल ने कुल 16 पदक हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रभावशाली तालिका में आठ स्वर्ण, सात रजत और एक कांस्य पदक शामिल था, जो इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में भारत की कुल पदक संख्या के 40 प्रतिशत से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। सेना के एथलीटों ने मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, पैरा-एथलेटिक्स, जूडो और भारोत्तोलन सहित कई खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वरिष्ठ नेतृत्व ने देश की वैश्विक एथलेटिक प्रतिष्ठा को बढ़ाने में उनके समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्ट योगदान के लिए खिलाड़ियों की सराहना की, और इस बात पर जोर दिया कि उनकी उपलब्धियां सैन्य अनुशासन और उत्कृष्ट खेल उत्कृष्टता के सही मिश्रण का उदाहरण पेश करते हुए देश भर के युवाओं को प्रेरित करती हैं।

मुख्य बिंदु:

- अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में दबदबा कायमः सेना के जवानों ने ग्लास्गो, स्कॉटलैंड में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में आठ स्वर्ण, सात रजत और एक कांस्य सहित 16 पदक जीते।
- राष्ट्रीय तालिका में प्रमुख योगदानः रक्षा बलों ने खेलों में भारत के कुल 39 पदकों में से 18 पदकों का योगदान दिया, जो असाधारण एथलेटिक उत्कृष्टता और अनुशासित सैन्य शारीरिक तैयारी को दर्शाता है।
- मुक्केबाजी विधा में प्रमुख उपलब्धियांः महिला मुक्केबाजों ने मुक्केबाजी में जीते गए छह स्वर्ण पदकों में से चार हासिल किए, जो लड़ाकू खेलों में बढ़ते महिला सशक्तिकरण और उत्कृष्टता को रेखांकित करता है।

4. Indian Army Team Secures 16 Medals, Including Eight Gold, at Commonwealth Games 2026

- The Indian Army contingent delivered a stellar performance at the 2026 Commonwealth Games held in Glasgow, securing a total of sixteen medals. The impressive tally comprised eight gold, seven silver, and one bronze medal, accounting for over forty percent of India's overall medal count at the international event. Army athletes excelled across multiple sporting disciplines including boxing, athletics, para-athletics, judo, and weightlifting. Senior leadership commended the sportspersons for their dedication, discipline, and outstanding contribution toward enhancing the country's global athletic reputation, emphasizing how their achievements inspire youth across the nation while exemplifying a perfect blend of military discipline and elite sporting excellence.

Key Points:

- Dominant performance at international event: Army personnel won sixteen medals, including eight gold, seven silver, and one bronze, at the Commonwealth Games held in Glasgow, Scotland.
- Major contribution to national tally: Defence forces contributed eighteen of India's total thirty-nine medals at the games, demonstrating exceptional athletic excellence and disciplined military physical preparation.
- Key achievements in boxing discipline: Women pugilists secured four of the six gold medals won in boxing, highlighting growing female empowerment and excellence in combat sports.

5. लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक ने आपूर्ति श्रृंखला में 10 करोड़ एक्ज़िम कंटेनरों की ट्रैकिंग का रिकॉर्ड बनाया

- लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक ने 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से भारत भर में 10 करोड़ आयात-निर्यात (एक्ज़िम) कंटेनरों को सफलतापूर्वक ट्रैक करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। एनआईडीसी लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड के तहत संचालित, यह डिजिटल प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय कंटेनर आवाजाही को कवर करने वाली संपूर्ण दृश्यता (विजिबिलिटी) प्रदान करता है। रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन , इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्लाउड तकनीक का उपयोग करके, यह प्रणाली प्रमुख समुद्री बंदरगाहों, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, रेलवे स्टेशनों और टोल प्लाजा पर माल की निगरानी करती है। हालिया सुधारों ने इसकी ट्रैकिंग क्षमताओं का विस्तार किया है जिसमें खुले समुद्र की निगरानी और ठहरने के समय (ड्वेल टाइम) पर विस्तृत विश्लेषण शामिल है। पारदर्शिता और परिचालन दक्षता में सुधार करके, यह प्लेटफॉर्म घरेलू विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है और वैश्विक व्यापार गलियारा विस्तार का समर्थन करता है।

मुख्य बिंदु:

- व्यापक परिचालन ट्रैकिंग क्षमता हासिल की: डिजिटल प्लेटफॉर्म ने प्रमुख राष्ट्रीय व्यापार मार्गों पर 2016 में अपने परिचालन के शुभारंभ के बाद से 10 करोड़ आयात-निर्यात कंटेनरों की सफलतापूर्वक निगरानी की है।
- आपूर्ति में उन्नत तकनीकी एकीकरण: यह प्रणाली बंदरगाहों और पारगमन मार्गों पर वास्तविक समय (रियल-टाइम) दृश्यता प्रदान करने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्लाउड तकनीक का उपयोग करती है।
- वैश्विक ट्रैकिंग और विश्लेषणात्मक विस्तार: उन्नत क्षमताओं ने अब निर्यात शिपमेंट की खुले समुद्र में ट्रैकिंग, ठहरने के समय के विस्तृत विश्लेषण और प्रमुख समुद्री बुनियादी ढांचा टर्मिनलों के लिए प्रदर्शन अनुकूलन को सक्षम बनाया है।

5. Logistics Data Bank Records Tracking of 10 Crore EXIM Containers Across the Supply Chain

- The Logistics Data Bank has achieved a major milestone by successfully tracking ten crore export import containers across India since its launch in 2016. Operated under NICDC Logistics Data Services Limited, the digital platform provides complete visibility covering national container movement. Using radio frequency identification, Internet of Things, and cloud technology, the system monitors cargo across major maritime ports, inland container depots, railway stations, and toll plazas. Recent upgrades have expanded its tracking capabilities to include high seas monitoring and detailed analytics on dwell times. By improving transparency and operational efficiency, the platform strengthens domestic manufacturing competitiveness and supports global trade corridor expansion.

Key Points:

- Massive operational tracking capacity achieved: The digital platform has successfully monitored ten crore export-import containers since its operational launch in 2016 across major national trade channels.
- Advanced technological integration in supply: The system utilizes radio frequency identification, Internet of Things, and cloud technology to provide real-time visibility across ports and transit routes.
- Global tracking and analytical expansion: Enhanced capabilities now enable high-seas tracking of export shipments, detailed dwell time analysis, and performance optimization for key maritime infrastructure terminals.

6. नीति आयोग ने भारत के सेवा क्षेत्र में पेशेवर सेवाओं को नियंत्रित करने वाले नियामक ढांचे पर अध्ययन प्रकाशित किया

- नीति आयोग ने अपनी सेवा विषयगत श्रृंखला के हिस्से के रूप में 'इंसाईट्स ऑन रेगुलेटरी रिजीम इन प्रोफेशनल सर्विसेज' (पेशेवर सेवाओं में नियामक व्यवस्था पर अंतर्दृष्टि) शीर्षक से एक व्यापक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जो भारत के सेवा क्षेत्र में नियामक ढाँचे को सुव्यवस्थित करने पर केंद्रित है। अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि पेशेवर सेवाएं कुल राष्ट्रीय सेवा निर्यात में लगभग एक चौथाई का योगदान देती हैं और उच्च-कुशल रोजगार तथा नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नियमों का आधुनिकीकरण करके और उन्हें वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाकर, सरकार का लक्ष्य कारोबार सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) को बढ़ाना और सेवाओं में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना है। रिपोर्ट सीमा पार आवाजाही को अनुकूलित करने, टिकाऊ आर्थिक विकास का समर्थन करने और भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेवा केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए रणनीतिक रास्तों की रूपरेखा तैयार करती है।

मुख्य बिंदु:

- नियामक माहौल पर व्यापक अध्ययन: रिपोर्ट पेशेवर सेवाओं को नियंत्रित करने वाली भारत की नियामक व्यवस्था का मूल्यांकन करती है और क्षेत्र की दक्षता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा देने के लिए चुनिंदा अंतर्राष्ट्रीय न्यायक्षेत्रों के साथ इसकी तुलना करती है।
- उच्च आर्थिक निर्यात योगदान रेखांकित: पेशेवर सेवाएं भारत के कुल सेवा निर्यात का लगभग एक-चौथाई हिस्सा उत्पन्न करती हैं, जो देश भर में कुशल रोजगार सृजन, ज्ञान हस्तांतरण और विदेशी प्रेषण (रेमिटेंस) प्रवाह को संचालित करती हैं।
- रणनीतिक नीति कार्रवाई ढांचा प्रस्तावित: उभरती प्रवृत्तियों का उपयोग करने, प्रमुख परिचालन चुनौतियों का समाधान करने और कुशल श्रमिकों के लिए व्यापक वैश्विक अवसरों को अनलॉक करने के लिए एक चार-स्तरीय रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई थी।

6. NITI Aayog Publishes Study on Regulatory Framework Governing Professional Services in India's Services Sector

- NITI Aayog has published a comprehensive report titled Insights on Regulatory Regime in Professional Services, as part of its Services Thematic Series, focusing on streamlining regulatory frameworks across India's services sector. The study highlights that professional services contribute nearly a quarter of total national service exports and play a pivotal role in driving high-skilled employment and innovation. By modernizing regulations and benchmarking them against global standards, the government aims to enhance the ease of doing business and boost global competitiveness in services. The report outlines strategic pathways to optimize cross-border mobility, support sustainable economic growth, and position India as a globally competitive services hub.

Key Points:

- Comprehensive study on regulatory environment: The report evaluates India's regulatory regime governing professional services and benchmarks it against select international jurisdictions to significantly boost sector efficiency.
- High economic export contribution highlighted: Professional services generate nearly one-fourth of India's total services exports, driving skilled employment generation, knowledge transfer, and foreign remittance inflows nationwide.
- Strategic policy action framework proposed: A four-pronged strategy was outlined to harness emerging trends, address key operational challenges, and unlock wider global opportunities for skilled workers.

7. सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच और सेवधि संग्रहालय ने ऐतिहासिक चिकित्सा पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद - राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान ने दुर्लभ ऐतिहासिक चिकित्सा पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए सेवधि संग्रहालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सहयोग आयुर्वेद और पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों से संबंधित प्राचीन चिकित्सा ज्ञान, दुर्लभ ग्रंथों और ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों को संरक्षित करने पर केंद्रित है। उन्नत डिजिटल स्कैनिंग और अभिलेखीय प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर, इस परियोजना का उद्देश्य नाजुक ऐतिहासिक दस्तावेजों को खराब होने से बचाना है, साथ ही विश्व स्तर पर शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए एक सुलभ डिजिटल पुस्तकालय बनाना है। यह पहल पारंपरिक चिकित्सा विरासत के आधुनिकीकरण, अंतर-विषयक शैक्षणिक अनुसंधान को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य ऐतिहासिक चिकित्सा साहित्य के दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु:

- प्राचीन चिकित्सा विरासत का संरक्षण: इस सहयोग का उद्देश्य भारतीय चिकित्सा की विविध पारंपरिक प्रणालियों से संबंधित दुर्लभ ऐतिहासिक पांडुलिपियों, शास्त्रीय ग्रंथों और चिकित्सा-ऐतिहासिक दस्तावेजों का डिजिटलीकरण करना है।
- अनुसंधान के लिए डिजिटल पहुँच को बढ़ावा देना: डिजिटल रिपॉजिटरी बनाने से वैश्विक शोधकर्ताओं, शैक्षणिक विद्वानों और चिकित्सा इतिहासकारों को दुर्लभ आयुष साहित्य और प्राचीन ज्ञान तक आसानी से पहुँच प्राप्त होगी।
- पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान का पुनरुद्धार: यह संयुक्त प्रयास प्राचीन स्वास्थ्य प्रथाओं को आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान में एकीकृत करने के लिए दुर्लभ चिकित्सा साहित्य की सूचियों के निर्माण, संरक्षण और अनुवाद का समर्थन करता है।

7. CCRAS-NIIMH and Sevadhi Museum Sign Agreement to Digitise Historical Medical Manuscripts

The Central Council for Research in Ayurvedic Sciences National Institute of Indian Medical Heritage has signed a memorandum of understanding with the Sevadhi Museum to digitize rare historical medical manuscripts. This collaboration focuses on preserving ancient medical knowledge, rare texts, and palm-leaf manuscripts related to Ayurveda and traditional health systems. By leveraging advanced digital scanning and archival technologies, the project aims to safeguard fragile historical documents from deterioration while creating an accessible digital library for researchers and scholars globally. The initiative marks a significant step toward modernizing traditional medical heritage, promoting interdisciplinary academic research, and ensuring the long-term preservation of invaluable historical medical literature for future generations.

Key Points:

- Preservation of ancient medical heritage: The collaboration aims to digitize rare historical manuscripts, classical texts, and medico-historical documents belonging to diverse traditional Indian systems of medicine.
- Enhancing digital access for research: Creating digital repositories will allow global researchers, academic scholars, and medical historians to easily access rare Ayush literature and ancient knowledge.
- Revival of traditional health wisdom: The joint effort supports cataloging, conservation, and translation of rare medical literature to integrate ancient healthcare practices into modern medical research.

8. सरकार ने 'चिप्स टू स्टार्ट-अप्स' कार्यक्रम के माध्यम से सेमीकंडक्टर डिज़ाइन पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाया

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय 'चिप्स टू स्टार्ट-अप्स' पहल के माध्यम से भारत के घरेलू सेमीकंडक्टर डिज़ाइन पारिस्थितिकी तंत्र को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है। उन्नत कंप्यूटिंग के विकास के लिए केंद्र द्वारा कार्यान्वित इस प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्देश्य माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिज़ाइन में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तरों पर 85000 पेशेवरों को प्रशिक्षित करके विशेष उद्योग प्रतिभा का निर्माण करना है। इस क्षमता निर्माण ढांचे के तहत, 300 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों को चिप-इन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन ऑटोमेशन टूल्स तक रिमोट पहुँच प्रदान की गई है। स्वदेशी प्रोटोटाइपिंग, चिप टेप-आउट और स्टार्टअप इनक्यूबेशन का समर्थन करके, इस पहल का उद्देश्य तकनीकी निर्भरता को कम करना और देश को एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

मुख्य बिंदु:

- व्यापक विशेष प्रतिभा पूल का निर्माण: इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट शैक्षणिक स्तरों पर सेमीकंडक्टर चिप डिज़ाइन में 85000 उद्योग-तैयार पेशेवरों को प्रशिक्षित करना है।
- उन्नत डिज़ाइन बुनियादी ढांचे का प्रावधान: 300 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों को व्यावहारिक छात्र प्रशिक्षण के लिए परिष्कृत इलेक्ट्रॉनिक डिज़ाइन ऑटोमेशन सॉफ़्टवेयर टूल्स तक सीधी पहुँच प्रदान की गई है।
- सफल चिप टेप-आउट उपलब्धियां दर्ज: भाग लेने वाले शैक्षणिक संस्थानों ने विशेष घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर निर्माण फाउंड्री का उपयोग करके 254 स्वदेशी चिप डिजाइनों को सफलतापूर्वक टेप आउट किया है।

8. Government Advances Semiconductor Design Ecosystem Through Chips to Start-ups Programme

- The Ministry of Electronics and Information Technology is actively advancing India's domestic semiconductor design ecosystem through the Chips to Start-ups initiative. Implemented by the Centre for Development of Advanced Computing, the flagship national program seeks to build specialized industry talent by training eighty-five thousand professionals across undergraduate, postgraduate, and doctoral levels in microelectronics and VLSI design. Under this capacity building framework, more than three hundred academic institutions have received remote access to state-of-the-art Electronic Design Automation tools through the ChipIN platform. By supporting indigenous prototyping, chip tape-outs, and startup incubation, the initiative aims to reduce technological dependency and position the country as a competitive global semiconductor hub.

Key Points:

- Extensive specialized talent pool creation: The programme aims to train eighty-five thousand industry-ready professionals in semiconductor chip design across various undergraduate, postgraduate, and doctoral academic levels.
- Provision of advanced design infrastructure: Over three hundred academic institutions have been granted direct access to sophisticated electronic design automation software tools for practical student training.
- Successful chip tape-out achievements recorded: Participating academic institutions have successfully taped out two hundred fifty-four indigenous chip designs using specialized domestic and international semiconductor fabrication foundries.

9. रक्षा मंत्री ने भारत के सैन्य आधुनिकीकरण के लिए आत्मनिर्भरता और भविष्य की तैयारी को प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में रेखांकित किया

अगस्त 2026 में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सैनिकों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि एक आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार रक्षा क्षेत्र द्वारा संचालित सैन्य आधुनिकीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। आत्मनिर्भर भारत जैसी प्रमुख राष्ट्रीय पहलों के माध्यम से पिछले 12 वर्षों में आए परिवर्तनकारी बदलाव पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि भारत अब अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर रहा है, साथ ही एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र और शुद्ध रक्षा निर्यातक के रूप में उभर रहा है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की भागीदारी के समर्थन से, हालिया वित्तीय वर्ष में घरेलू रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। रणनीतिक खरीद सुधार, विस्तारित अनुसंधान वित्तपोषण और उन्नत तकनीकी परीक्षण राष्ट्र को बदलती युद्ध चुनौतियों के लिए तैयार करना जारी रखे हुए हैं।

मुख्य बिंदुः

- आत्मनिर्भरता की प्राथमिकता से संचालित आधुनिकीकरणः वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के दौरान पूर्ण रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी उत्पादन क्षमताओं पर केंद्रित सैन्य आधुनिकीकरण प्राथमिक रणनीतिक केंद्र बना हुआ है।
- राष्ट्रीय रक्षा में अभूतपूर्व वृद्धिः वार्षिक घरेलू रक्षा विनिर्माण उत्पादन 1.78 लाख करोड़ के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2014 के बाद से महत्वपूर्ण संरचनात्मक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है।
- निर्यात मात्रा में अभूतपूर्व वृद्धिः रक्षा निर्यात नाटकीय रूप से बढ़कर 38424 करोड़ हो गया, जिससे देश एक सक्रिय वैश्विक सैन्य उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित हुआ।

9. Defence Minister Highlights Self-Reliance and Future-Readiness as Key Priorities for India's Military Modernisation

Addressing soldiers on the eve of Independence Day in August 2026, Union Defence Minister Rajnath Singh emphasized that military modernization driven by a self-reliant and future-ready defense sector remains the government's highest priority. Highlighting a transformative shift over the past twelve years through key national initiatives like Aatmanirbhar Bharat, he noted that India is now effectively catering to its own security needs while emerging as a global manufacturing hub and net defense exporter. Domestic defense production reached record highs in the recent fiscal year, supported by both public and private sector participation. Strategic procurement reforms, expanded research funding, and advanced technological testing continue positioning the nation for evolving warfare challenges.

Key Points:

- Modernisation driven by self-reliance priority: Military modernization focused on indigenous production capabilities remains the primary strategic focus to ensure complete strategic autonomy during global security challenges.
- Exponential surge in national defence: Annual domestic defence manufacturing production reached a high of one point seven eight lakh crore, representing significant structural transformation since 2014.
- Unprecedented growth in export volume: Defence exports surged dramatically to thirty-eight thousand four hundred twenty-four crore, positioning the nation as an active global military equipment supplier.

10. भारत के राष्ट्रपति ने अमृत उद्यान के 2026 ग्रीष्मकालीन वार्षिक संस्करण का उद्घाटन किया

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान के ग्रीष्मकालीन वार्षिक संस्करण 2026 का आधिकारिक उद्घाटन किया। यह विस्तृत 15 एकड़ का उद्यान अगस्त के मध्य से सितंबर के मध्य तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। यह संस्करण राष्ट्रीय जैव विविधता और पुष्प विरासत को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किए गए स्वदेशी पुष्पीय पौधों, देशी प्रजातियों और जीवंत ग्रीष्मकालीन वार्षिक पौधों का एक समृद्ध संग्रह प्रस्तुत करता है। अनिवार्य अग्रिम ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से जनता के लिए प्रवेश पूरी तरह से निःशुल्क है। सरकार ने दर्शन मार्ग पर शटल बस सुविधाओं, पीने के पानी और प्राथमिक चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की है। राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों और शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए विशेष समर्पित पहुँच वाले दिन भी निर्धारित किए गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- ग्रीष्मकालीन उद्यान का आधिकारिक उद्घाटनः राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित सार्वजनिक उद्यानों के ग्रीष्मकालीन संस्करण के उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई।
- निर्धारित सार्वजनिक पहुँच और समयः उद्यान 16 अगस्त से 15 सितंबर तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे के बीच आम जनता के दर्शन के लिए खुला रहेगा।
- अनिवार्य ऑनलाइन बुकिंग के साथ निःशुल्क प्रवेशः आगंतुकों को गेट 35 के माध्यम से मानार्थ प्रवेश मिलता है, लेकिन उन्हें अपने नियोजित उद्यान भ्रमण से पहले अनिवार्य अग्रिम ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग पूरी करनी होगी।

★★★

10. President of India Opens the 2026 Summer Annuals Edition of Amrit Udyan

- President Droupadi Murmu officially inaugurated the Summer Annuals Edition 2026 of Amrit Udyan at Rashtrapati Bhavan in New Delhi. The expansive fifteen acre gardens will open to the general public from mid August through mid September. This edition showcases a rich collection of indigenous flowering plants, native species, and vibrant summer annuals designed to highlight national biodiversity and floral heritage. Public entry remains completely free through mandatory advance online booking. The government has arranged shuttle bus facilities, drinking water, and first aid support along the visiting route. Special dedicated access days have also been scheduled for sportspersons on National Sports Day and teachers on Teachers Day.

Key Points:

- Official inauguration of summer garden: The President graced the opening ceremony of the summer edition of the public gardens situated within the Rashtrapati Bhavan estate complex.
- Scheduled public access and timing: The gardens will remain open for general public visits from August sixteen to September fifteen between ten morning and six evening.
- Free entry with mandatory online: Visitors receive complimentary entry through gate thirty-five but must complete mandatory advance online slot bookings prior to their planned garden visit.

★★★

दैनिक समसामयिक DAILY CURRENT AFFAIRS MCQs प्रश्नोत्तरी

Q1. 2026 में राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान के ग्रीष्मकालीन वार्षिक संस्करण का आधिकारिक उद्घाटन किसने किया?
(a) भारत के प्रधानमंत्री (b) दिल्ली के मुख्यमंत्री
(c) केंद्रीय संस्कृति मंत्री (d) भारत के राष्ट्रपति

Q2. अगस्त 2026 में सैन्य आधुनिकीकरण पर संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता के साथ किस तत्व को प्रमुख प्राथमिकता बताया?
(a) आयात विस्तार (b) भविष्य की तैयारी
(c) बजट में कटौती (d) विदेशी सैनिकों की तैनाती

Q3. 2026 में भारत सरकार किस पहल के माध्यम से घरेलू सेमीकंडक्टर डिज़ाइन पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ा रही है?
(a) डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी
(b) समृद्ध योजना
(c) इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0
(d) चिप्स टू स्टार्ट-अप्स प्रोग्राम

Q4. अगस्त 2026 में सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच ने ऐतिहासिक चिकित्सा पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए किस संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया?
(a) सेवधि संग्रहालय
(b) सालार जंग संग्रहालय
(c) राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली
(d) भारतीय संग्रहालय, कोलकाता

Q5. 2026 में नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, पेशेवर सेवाओं के नियामक ढांचे को सुव्यवस्थित करने का प्रमुख उद्देश्य क्या है?
(a) कृषि आयात शुल्क बढ़ाना
(b) खनिज निर्यात कोटा निर्धारित करना
(c) कारोबार सुगमता और सेवाओं में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना
(d) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का समेकन करना

Q1. Who officially inaugurated the Summer Annual Edition of Amrit Udyan at Rashtrapati Bhavan in 2026?
(a) Prime Minister of India
(b) Chief Minister of Delhi
(c) Union Minister of Culture
(d) President of India

Q2. During an address on military modernisation in August 2026, which element did Defence Minister Rajnath Singh highlight as a key priority along with self-reliance?
(a) Expansion of imports
(b) Future readiness
(c) Budget cuts
(d) Deployment of foreign troops

Q3. Through which initiative is the Government of India advancing the domestic semiconductor design ecosystem in 2026?
(a) Digital India RISC-V
(b) Samridh Scheme
(c) India Semiconductor Mission 2.0
d) Chips to Start-ups Programme

Q4. In August 2026, CCRAS-NIIMH signed a Memorandum of Understanding with which institution to digitise historical medical manuscripts?
(a) Sewadhi Museum
(b) Salar Jung Museum
(c) National Museum, New Delhi
(d) Indian Museum, Kolkata

Q5. According to a NITI Aayog report published in 2026, what is the key objective of streamlining the regulatory framework for professional services?
(a) Increasing agricultural import duties
(b) Setting mineral export quotas
(c) Promoting ease of doing business and global competitiveness in services
(d) Consolidating public sector banks

Q6. 2026 में किस प्रणाली ने RFID तकनीक का उपयोग करके 10 करोड़ आयात-निर्यात कंटेनरों को ट्रैक करने का मील का पत्थर हासिल किया?

(a) पीएम गति शक्ति पोर्टल (b) लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक
(c) फास्टैग फ्रेट सिस्टम (d) नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम

Q7. 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय सेना के दल ने कुल कितने पदक हासिल किए?

(a) 16 पदक (b) 12 पदक
(c) 10 पदक (d) 24 पदक

Q8. भारतीय नौसेना पोत सुदर्शिनी 2026 में अपनी अंतर्राष्ट्रीय तैनाती के दौरान पुर्तगाल में किस नौसेना पहल के तहत रुका था?

(a) ऑपरेशन समुद्र सेतु (b) सागर 2026
(c) लोकायन 2026 (d) मैरीटाइम ब्रिज 2026

Q9. अगस्त 2026 में केंद्रीय रेल मंत्री ने आनंद विहार टर्मिनल के साथ किस रेलवे स्टेशन पर उन्नत यात्री परिसरों की प्रगति की समीक्षा की?

(a) छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस
(b) गोरखपुर जंक्शन
(c) हावड़ा जंक्शन
(d) उधना रेलवे स्टेशन

Q10. 2026 के मध्य तक जल जीवन मिशन ने सक्रिय कार्यान्वयन के कितने वर्ष पूरे किए?

(a) 5 वर्ष (b) 7 वर्ष
(c) 10 वर्ष (d) 12 वर्ष

Q6. Which system achieved the milestone of tracking 100 million EXIM (export-import) containers using RFID technology in 2026?

(a) PM Gati Shakti Portal
(b) Logistics Data Bank
(c) FASTag Freight System
(d) National Single Window System

Q7. How many medals did the Indian Army contingent win in the 2026 Commonwealth Games?

(a) 16 medals (b) 12 medals
(c) 10 medals (d) 24 medals

Q8. Under which naval initiative did INS Sudarshini make a port call in Portugal during its international deployment in 2026?

(a) Operation Samudra Setu
(b) Sagar 2026
(c) Lokayan 2026
(d) Maritime Bridge 2026

Q9. In August 2026, along with Anand Vihar Terminal, at which railway station did the Union Railway Minister review the progress of advanced passenger facilities?

(a) Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus
(b) Gorakhpur Junction
(c) Howrah Junction
(d) Udhna Railway Station

Q10. By mid-2026, how many years of active implementation had the Jal Jeevan Mission completed?

(a) 5 years (b) 7 years
(c) 10 years (d) 12 years

उत्तरमाला (Answer Key)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
D	B	D	A	C	B	A	C	D	B

★★★